



225558 - अल्लाह से क्षमा याचना करना दिल के जीवन का कारण है

प्रश्न

क्या यह कहना सही है कि: इस्तिगफार (अल्लाह से क्षमा याचना करना) दिलों के जीवन का कारण है ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

इस्तिगफार(अल्लाह से क्षमायाचना करना) दिलके जीवन, उसके मार्गदर्शनऔर उसके प्रकाशका कारण है। क्योंकिवह अल्लाह की दयाव करुणा का कारणहै, अल्लाहतआला ने फरमाया :

لَوْلَا تَسْتَغْفِرُونَ اللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ

46: النمل

”तुम अल्लाहसे क्षमा याचनाक्यों नहीं करतेताकि तुम पर दयाकिया जाए।” (सूरतुन नम्ल :46)

तथा कुछ पूर्वजोंका कथन है : ”अल्लाहकिसी ऐसे बन्देको इस्तिगफार करनेकी प्रेणना नहींदेता जिसे वह यातनादेना चाहता है।”

”एहयाओ उलूमिद्दीन”(1/313) से अंत हुआ।

तथा इस्तिगफारकरना अल्लाह केस्मरण में से है,और अल्लाह के स्मरणसे दिलों को जीवनमिलता है।

इब्नुल कैयिमरहिमहुल्लाह नेफरमाया :

“अल्लाह का स्मरणकरना दिल के जीवनका परिणाम देताहै।” मदारिजुस्सालिकीन(2/29) से अंत हुआ।

इस्तिगफारकरना गुनाह सेदिलों का उपचारहै, जो कि हरमुसीबत और आपदाका आधार (जड़) है।क़तादा कहते हैं: “कुरआन तुम्हेंतुम्हारी बीमारीऔर तुम्हारे उपचार(दवा) का पता देताहै, रही तुम्हारीबीमारी की बाततो वह तुम्हारेगुनाह हैं और जहाँतक तुम्हारी दवाका संबंध है, तो वह इस्तिगफारहै।”



“शोअबुल ईमान” (9/347) से अंत हुआ।

इस्तिगफारदिल की सफाई करने और उसे चमकाने, तथा जंग और गंदगी, लापरवाही और चूकसे स्वच्छ रखनेके सबसे महान कारणोंमें से है।

इब्नुल कैयिमरहिमहुल्लाह ने फरमाया :

मैं ने शैखुल इस्लाम इब्ने तैमिय्यारहिमहुल्लाह से एक दिन कहा : कुछ विद्वानों से प्रश्न किया गया कि बन्देके लिए तस्बीह करना सबसे अधिक लाभदायक है या इस्तिगफार करना ?

तो उन्होंने कहा : यदि कपड़ा साफ सुथरा हो : तो बुखूर (धूनी) और गुलाब जल उसके लिए अधिक लाभदायक है, और यदि वह गंदा है तो : साबून और गरम पानी उसके लिए अधिक लाभदायक है।

तो आप रहिमहुल्लाह ने मुझसे कहा : तो उस समय क्या होना चाहिए जबकि कपड़ा निरंतर गंदा ही है ?”

“अल-वाबिलुस सैयिब” (पृष्ठ : 92) से अंत हुआ।

इस उपमा (उदाहरण)में धूनी और गुलाबजल से अभिप्राय : तस्बीह आदि है।

और साबून से मुराद : इस्तिगफार है, क्योंकि वह गुनाहों से ऐसे ही पवित्र और साफ फर देता है जिस तरह साबून शरीर और कपड़े को साफ कर देता है।

मुस्लिम (हदीस संख्या : 2702) ने अर्गर अल-मुजनी रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत किया है कि अल्लाहके पैगंबर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमने फरमाया : “मेरे दिल पर परछाई आती रहती है, और मैं अल्लाह से दिनमें सौ बार इस्तिगफार (क्षमा याचना) करता हूँ।”

शैखुल इस्लाम इब्ने तैमिय्यारहिमहुल्लाह ने फरमाया : गैन एक बारीक पर्दा है जो बादल से अधिक पतला होता है। तो अल्लाह के पैगंबर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सूचना दी है कि आप अल्लाहसे इतना इस्तिगफार करते थे जो दिलसे पर्दा को हटा देता था।” मजमूउलफतावा” (15/283) से अंत हुआ।

तथा अहमद (हदीस संख्या : 8792), और तिर्मिजी (हदीस संख्या : 3334) ने अबू हुरैरार रजियल्लाहु अन्हुसे रिवायत किया है कि अल्लाहके पैगंबर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमने फरमाया : “मोमिन व्यक्ति जब पाप करता है तो उसके दिल में एक काला धब्बा पड़ जाता है, यदि उसने तौबा कर लिया और उससे निकल गया और इस्तिगफार किया तो उसके दिलको साफ व चमकदार कर दिया जाता है, और यदि उसने पापमें वृद्धि कर दी तो वह धब्बा बढ़ जाता है यहाँ तक कि उसके दिल पर



छा जाता है। तो वह वही जंग (मुर्चा, ठप्पा) है, जिसे अल्लाह ने कुरआन में उल्लेख किया है:

كَلَّا بَلْ رَانَ عَلَى قُلُوبِهِمْ مَا كَانُوا يَكْسِبُونَ

سورة المطففين : 14

”कदापि नहीं, बल्कि जो कुछे वे किया करते थे उसके कारण उनके दिलों पर जंग लग गए।” (सूरतुलमुतफिफिन:14) इसे अल्बानी ने सहीह तिर्मिजी (हदीस संख्या :2654) में हसन का है।

अतः इस्तिगफार करना दिल के जीवन और उसकी सफेदी को बहाल कर देता है जिसमें कुछ उसने हो सकता है गुनाहों के कारण वशाखो दिया हो।

तथा अधिक जानकारी के लिए प्रश्न संख्या (104919) का उत्तर देखें।

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।